वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 206 | शुक्रवार 24 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

परंपरागत स्टाइल में मनाई गई केक मिक्सिंग सेरेमनी

जयपुर. कासं

जयपुर में कूकस स्थित डबलट्री बाय हिल्टन आमेर का एनुअल केक मिक्सिंग समारोह में लोगों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया। एग्जीक्यूटिव शेफ गौरव मिश्रा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम होटल के गार्डन बार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जयपुर के नामी फूड इन्फ्लुएंसर्स, सोशलाइट्स मौजूद रहे। केक मिश्रण के लिए किशमिश, रेड चेरी, ऑरेंज पील, टूटी फ्रूटी, ब्लैक करैंट्स, खजूर, अंजीर, सूखे एपरिकोट्स, और प्रून जैसे ड्राय फ्रूट्स को डी टी बी एच लेटर कंटेनर्स में नट्स और स्वादिष्ट मसालों के साथ डाला गया। मेहमानों ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ मिक्सिंग समारोह में हिस्सा लिया। होटल के जनरल मैनेजर नीरज महर्षि ने इस पारंपरिक समारोह के सांस्कृतिक महत्व और गर्मजोशी पर जोर देते हुए कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमने केक मिक्सिंग सेरेमनी का आयोजन उत्साहपूर्वक किया। केक मिक्सिंग दुनियाभर में मनाई जाने वाली पुरानी परम्परा है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी में डॉ. लता सुरेश हुई शामिल

रूस में बतौर मुख्ता वक्ता के रूप में इंडिया का किया प्रतिनिधित्व, भारत और रूस के संबंधों पर की बात

जयपुर. कासं

रूस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी लिबकॉम-2023 में बतौर मुख्य वक्ता के रूप में जयपुर की डॉ. लता सुरेश ने शिरकत करते हुए भारत का प्रतिनिधित्व किया। वर्तमान में भारतीय कॉर्पोरेट कार्य संस्थान में ज्ञान संसाधन और आईपीसीसी के प्रमुख का कार्यभार संभाल रही डॉ. लता सुरेश कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित की गई थी। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 19 से 24 नवंबर को रूस के सुजदल, व्लादीमीर क्षेत्र के टूर सेंटर होटल में आयोजित हुआ। भारत से प्रतिनिधित्व करते हुए उद्घाटन भाषण के दौरान उन्होंने भारत और रशिया के दोस्ताना संबंधों का जिक्र करते हुए आयोजक टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। प्लेनरी सत्र के दौरान की उनकी मुख्य वक्तव्य ग्रंथालयों में वर्चुअल रिऐलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रिऐलिटी (AR) तकनीक पर था। जहां उन्होंने इन तकनीकों के फायदे बताए और भारतीय ग्रंथालयों जैसे IITs, ISB, IIMs में इस

तकनीक का प्रयोग के बारे में बताया। 21 नवंबर को लता सुरेश ने एक सत्र के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसमें उन्होंने ग्रंथालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। इस सत्र के दौरान उन्होंने डीपफेक की भूमिका पर जोर दिया, हाल के उदाहरण प्रदान किए और बताया कैसे भारत सरकार इस समस्या के लिए दिशानिर्देश बना रही है। उन्होंने पीएम मोदी के डीपफेक पर कथन और G20 सम्मेलन को भी बयां किया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ''नैतिक'' कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों के सम्प्रेषण पर वृद्धि के लिए एक वैश्विक रूपरेखा की मांग की। डॉ. लता सुरेश ने पूर्व में भी यूके, यूएसए, ओमान, सिंगापुर, तुर्की आदि जैसे कई अन्य देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

410 संवेदनशील पोलिंग बूथ पर रहेगी पैरा मिलिट्री फोर्स

चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस और सुरक्षा बलों की नजर

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनाव में पोलिंग बूथों पर सुरक्षा को लेकर जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने पूरी तैयारी कर ली है। जयपुर कमिश्नरेट के 5 हजार 500 जवान इस ड्यूटी में शामिल होंगे। वहीं, पैरा मिलिट्री फोर्स के 28 कम्पनी संवेदनशील बूथों पर तैनात मिलेगी। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन, पुलिस और निर्वाचन विभाग की टीमों के सर्वे के बाद जयपुर में कुल 410 मतदान केन्द्रों को संवेदनशील माना गया है। इन संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही पैरा मिलिट्री फोर्स CAPF (सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स) तैनात रहेगी। सुरक्षा के लिहाज से केन्द्रीय सुरक्षा बल के कमांडेंट सुरक्षा की मॉनिटरिंग करेंगे। संवेदनशील पोलिंग बूथों की जानकारी मिलने के बाद इन पोलिंग बूथों पर पुलिस और केन्द्रीय

सुरक्षा बल की टीमें एक दिन पहले से ही एक्टिव हो जाएगी। इन बूथों पर पोलिंग शुरू होने से पहले किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं, कुछ टीमें फ्लाइंग के लिए रिजर्व रखी गई है। जो निर्वाचन अधिकारी की सूचना पर एक्शन करने के लिए तैयार रहेगी। जिला प्रशासन के अलावा जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने भी फ्लाइंग यूनिट बनाई है। जो समय-समय पर मतदान केन्द्रों पर जाकर जांच करेगी की किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी तो नहीं हो रही।

जयपुर पुलिस के 4 हजार जवान बाहरी जिलों में कराएंगे मतदान

जयपुर कमिश्नरेट में तैनात 4 हजार से अधिक जवानों को मतदान कराने के लिए दूसरे जिलों में भेजा गया है। यह वह पुलिसकर्मी हैं, जो कई समय से फील्ड में लगे हुए थे। दूसरे जिलों से भी बड़ी संख्या में जयपुर में मतदान कराने के लिए पुलिसकर्मी आ गए हैं। ये लोग मतदान के एक दिन पहले और मत पेटियां जमा कराने के बाद रवाना होते हैं।

परकोटे में लगाई गई सबसे अधिक फोर्स

जयपुर शहर में परकोटे में सबसे अधिक फोर्स को डिप्लॉय किया गया हैं। शहर में 410 पोलिंग बूथ को संवेदनशील बताया गया हैं। इसे देखते हुए करीब 2000 हजार से अधिक पैरा मिलेट्री और जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को यहां पर लगाया गया है। वहीं, दो रिजर्व बटालियन अलग-अलग पॉइंटों पर रखी गई हैं। जिसे पुलिस कमिश्नरेट और एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर के अधीन रखा गया हैं। दोनों ही अधिकारियों को जब लगे की फोर्स की जरूरत है तो वह इस का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अर्चना शर्मा ने किया व्यापक जन संपर्क

जयपुर. शाबाश इंडिया

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन डॉक्टर अर्चना शर्मा का जैन समाज के लोगों ने टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर में अभिनंदन किया। साथ ही अग्रवाल समाज एवं खंडेलवाल समाज के मालवीय नगर के पदाधिकारीयो ने माला पहनाकर स्वागत करते हुए कहा कि हम बिना किसी भेदभाव के डॉक्टर अर्चना शर्मा को जिताएंगे। डॉ अर्चना शर्मा ने आज प्रातः महेश नगर से रैली निकाली जिसमें सी ब्लॉक बी ब्लॉक रूप नगर अग्रसेन नगर महेश नगर अवधपुरी ए ब्लॉक भगवती नगर एस ब्लॉक बालनगर शैली कॉलोनी फर्स्ट टैगोर नगर विजय नगर मूर्ति मोहल्ला करतारपुर चित्रगुप्त नगर गायत्री नगर जनकपुरी सेकंड कृष्णा नगर इमली फटक अंबेडकर नगर जेपी कॉलोनी पुरोहित हॉस्पिटल प्रताप नगर टेलिफोन कॉलोनी जोशी कॉलोनी राधा गोविंद नगर राधा गोविंद मंदिर नेताजी सुभाष कॉलोनी शिव कॉलोनी हरी मार्ग विकास मार्ग टोंक रोड टौंक फाटक बजाज नगर बजाज नगर एक्सटेंशन अनीता कॉलोनी खड़ी कॉलोनी सरस्वती मार्ग एजी कॉलोनी के सामने से बाहर निकाल कर बजाज नगर मार्ग मार्केट गांधीनगर बापू नगर से होते हुए बिरला मंदिर गुर्जर छात्रावास एचएस स्कूल राजा पार्क की गली नंबर राम मंदिर से होते हुए पंचवटी सर्किल पर समापन किया गया पूरे रास्ते में जनता के अपार समर्थन और स्वागत से अभीभूत हो डॉक्टर अर्चना ने कहा आपने जो प्यार दिया है मैं उसका मान रखूंगी। आप मुझे जीता कर भेजो मैं निश्चित रूप से किसी भी विकास कार्य में कमी नहीं रखूंगी। मेरे खिलाफ पूरे षडयंत्रों का जवाब एक नंबर पर बटन दबाकर आप लोग दो मुझे जो वोट मिलेंगे वह आपके समर्थन एवं आशीर्वाद की रूप में मैं कभी नहीं भूलूंगी ।

> डॉक्टर अर्चना ने कहा आपने जो प्यार दिया है मैं उसका मान रखूंगी। आप मुझे जीता कर भेजो मैं निश्चित रूप से किसी भी विकास कार्य में कमी नहीं रखूंगी।

राहुल विहार में श्री सिद्धचक्र विधान के चौथे दिन चढ़ाए श्रीजी के समक्ष 32 अर्घ्य

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के शमशाबाद रोड स्थित राहुल विहार के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर में 20 से 28 नवंबर के मध्य गणिनी आर्यिका श्री 105 आर्षमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य में अष्टाह्निका महापर्व के अवसर पर नौ दिवसीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन चल रहा है विधान के चौथे दिन सभी इंद्र- इंद्राणियों ने संगीतमय श्रीजी की पूजा अर्चना की इसके बाद सभी इंद्र-इंद्राणियों ने विधानचार्य शशिकांत जैन शास्त्री एवं प्रतिष्ठाचार्य वीरेंद्र कुमार जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मंडप पर सिद्धों के गुणों का गुणगान कर 32 अर्घ्य बड़े ही भक्ति भाव के साथ समर्पित किए। विधान में मौजूद सभी भक्तों ने संगीतकार के मधुर जैन भजनों पर सुंदर नृत्य कियो विधान के दौरान गुरुमां ने भक्तों को मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि जिस श्रावक का धन प्रभु भक्ति में लगता है, उसके घर में कभी व्यसन का प्रवेश नहीं हो सकता। तुम अपने बच्चों को हाथ पकड़ कर मंदिर लेकर आओ, नहीं तो वे तुम्हें हाथ पकड़ कर वृद्धाश्रम में छोड़ आएंगे। बच्चे के भविष्य के लिए तुम जितना चिंतित रहते हो, उतना चिंतित तुम उसे धर्म के मार्ग पर लगाने के लिए भी रहो। पढ़ाई के साथ संस्कार जरूरी हैं। बिना संस्कार की पढ़ाई दुख का कारण हो सकती है। विधान के समापन पर सांयःकाल में भक्तों ने श्रीजी की संगीतमय मंगल आरती की। रातः8:30 बजे नाटयकर बाहुबली एंड पार्टी ललितपुर के कलाकारों द्वारा बहुत सुंदर नाटिका की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विधान में रोहित जैन, अतिशय जैन,प्रिंस जैन,अतुल जैन, योगेश जैन,पवन कुमार जैन लोकचंद जैन,दीपचंद जैन,सतीश चंद जैन संजय कुमार जैन,ताराचंद जैन,विशाल जैन बंटी,सचिन जैन,शुभम जैन, समस्त राहुल विहार जैन समाज के लोगों बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट : शुभम जैन ,आगरा

वेद ज्ञान

जीवन के आयाम

मानव का समस्त ज्ञान अनुभव से उत्पन्न होता है। अनुभव के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार से हम कुछ भी नहीं जान सकते। यही वजह है कि आम जीवन में भी व्यक्ति के अनुभव को वरीयता दी जाती है। विज्ञान भी मानता है कि जगत में किसी भी पदार्थ का नाश नहीं होता। इस प्रकार अभिव्यक्तियों की एक ही शृंखला चक्र की भांति बार-बार हमारे समक्ष उपस्थित होती रहती है। विविध ब्रह्मांड सूक्ष्मगत रूपों में प्रस्तुत हो रहे हैं। स्थूल रूप धारण कर रहे हैं, फिर लीन होकर सूक्ष्म भाव में जा रहे हैं। वे फिर से इस सूक्ष्म भाव से स्थूल भाव में आते हैं। कुछ समय तक उसी अवस्था में रहते हैं और फिर धीरे-धीरे पूर्व स्थिति में चले जाते हैं। जीवन के संबंध में भी यही सत्य है। दरअसल मन के साथ मस्तिष्क का विशेष संबंध है और शरीर का विनाश हो जाने पर वह नष्ट हो जाता है। आत्मा ही एकमात्र प्रकाशक है। इसलिए उसके हाथ यंत्र के समान हैं और इस यंत्र के माध्यम से आत्मा बाह्य साधन पर अधिकार जमा लेती है। इसी प्रकार प्रत्यक्ष बोध होता है। मस्तिष्क के इन सब केंद्रों को इंद्रियां कहते हैं। ये इंद्रियां इन यंत्रों को लेकर मन को अर्पित कर देती हैं। इसके बाद मन इन्हें बुद्धि के निकट लाता है फिर बुद्धि इन्हें अपने सिंहासन पर विराजमान महिमाशाली आत्मा को प्रदान करती है। आखिर में आत्मा इन्हें देखती है और फिर आवश्यक आदेश देती है। तत्पश्चात मन इन मस्तिष्क केंद्रों यानी इंद्रियों पर कार्य करता है और फिर इंद्रियां स्थूल शरीर पर कार्य करना आरंभ कर देती हैं। मनुष्य की आत्मा ही इन सबकी वास्तविक अनुभवकर्ता, सृष्टा और सब कुछ है। अब सवाल यह उठता है मृत्यु क्या है? दरअसल अभिव्यक्ति के एक रूप विशेष को हम जीवन कहते हैं और उसी के दूसरे रूप विशेष को मृत्यु। सभी यौगिक पदार्थ नियमों से संचालित होते हैं। नियम के परे यदि कोई वस्तु हो तो वह कदापि यौगिक नहीं हो सकती। चूंकि मनुष्य की आत्मा कार्य, कारण और वाद से परे है, इसलिए वह यौगिक नहीं है। यह सदा मुक्त है और नियमों के अंतर्गत सभी वस्तुओं का नियमन करती है। उसका कभी विनाश नहीं हो सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि विनाश का अर्थ है किसी यौगिक पदार्थ का अपने उपादानों में परिणत हो जाना। जीवन की समस्या की वास्तविक मीमांसा यही है।

संपादकीय

छलनी हिमालय के निरंतर बढ़ते खतरे

उत्तरकाशी स्थित सिक्यारा परियोजना की सुरंग के एक हिस्से के धंसने से वहां फंसे 40 मजदूरों की जान संकट में पड़ने के बाद हिमालय में सुरंगों के निर्माण पर सवाल उठने लगे हैं। सुरंगों सहित भूमिगत निर्माण में इस तरह के हादसे नए नहीं हैं। पर अब तो सुरंगों के धंसने और निमार्णाधीन सुरंगों के ऊपर बसी बस्तियों के धंसने की शिकायतें आम हो गई हैं। जोशीमठ इसका उदाहरण है। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी के अनुसार उत्तराखंड के साथ हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में इस वक्त पौने तीन लाख करोड़ रुपए की लागत की टनल बनाई जा रही हैं। अगर सिलक्यारा सुरंग की ही तरह सभी सुरंगें बनाई जा रही हैं तो हिमालय और हिमालय वासियों का ऊपरवाला ही मालिक है। हिमालयी क्षेत्र की जनता को विकास चाहिए तभी उनकी जिंदगी की मुश्किलातें कम होंगी

और बेहतर जीवन सुलभ होगा, लेकिन पहाड़ों पर सड़कें बनाना तो आसान है मगर उन सड़कों के निर्माण से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटना उतना आसान नहीं है। तेज ढलान के कारण पनबिजली उत्पादन के लिए हिमालयी क्षेत्रों को सबसे अनुकूल माना जाता है। इसीलिए नीति-नियंताओं और योजनाकारों की नजर हिमालय पर है। पनबिजली के लिए ढलान की आवश्यकता होती है ताकि तेज धार या पानी की भौतिक ऊर्जा से पावर हाउस की टरबाइन चल सके और फिर बिजली का उत्पादन हो सके। इसके लिए पहाड़ों से बहने वाली नदियां ही सबसे माकूल हैं। इन नदियों का वेग और भौतिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए पानी को तेज ढलान वाली सुरंगों से गुजारा जाता है। मैदानी क्षेत्र में पानी के लिए इतनी ढाल के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र डुबोना होता है इसलिए अब तक जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक पनबिजली के लिए योजनाकारों ने हिमालयी क्षेत्र को चिह्नित कर रखा है। हिमालय के गर्भ को छलनी करने का समर्थन तो पर्यावरणविद् कर नहीं सकते मगर भूविज्ञानी इसमें संयम की सलाह अवश्य देते हैं। वर्तमान में हिमालय पर केवल पनबिजली परियोजनाओं के लिए नहीं बल्कि यातायात और अन्य गतिविधियों के लिए भी सुरंगों का निर्माण हो रहा है। पहले भूमिगत बिजली घर बने, लेकिन अब तो पहाड़ी नगरों में ट्रैफिक समस्या के समाधान के लिए भूमिगत पार्किंग भी बनने लगे हैं। राज्य गठन के पहले ही उत्तराखंड में चार धाम ऑल वेदर रोड और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सुरंगों के अलावा लगभग 750 किमी लम्बी सुरंगें विभिन्न चरणों में बनाई जा रहीं थीं। एनटीपीसी की लगभग 12 किमी लम्बी सुरंग को जोशीमठ के धंसने के लिए पर्यावरणविद् जिम्मेदार मानते रहे हैं। जोशीमठ के ही सामने चाई गांव के धंसने के लिए 300 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजना की 13 किमी लम्बी सुरंग पर ऊंगलियां उठती रही हैं। पेशे से इंजीनियर और भारत सिंचाई और ऊर्जा मंत्री के. एल. राव द्वारा देश के जल संसाधनों का सन 60 के दशक में व्यापक सर्वेक्षण कराया गया था।

परिदृश्य

डीपफेक की समस्या

फेक और डीपफेक को कुछेक पौराणिक उदाहरणों से समझा जा सकता है। रामायण में मारीच ने स्वर्णमृग का रूप धारण किया था, वह फेक था। इंद्र ने दूसरे व्यक्ति गौतम ऋषि का वेश धारण करके अहिल्या के साथ छल किया था, वह डीपफेक था। युधिष्ठिर ने द्रोणाचार्य को अश्वत्थामा के वध का जो अर्धसत्य बोला था, उसे फेक न्यूज माना जा सकता है। नए जमाने में औद्योगिक क्रांति और प्रिंटर आने के बाद झूठ और फरेब पर रोक लगाने के लिए कॉपीराइट के साथ आईपीसी में अनेक कानूनी प्रावधान किए गए। इंटरनेट और मोबाइल आने के बाद झूठी खबरों का डिजिटल कारोबार सबसे बड़ा बाजार बन गया है। भारत में 2020 में आईटी कानून बने थे। उसके बाद डिजिटल क्रांति के चरणों के बावजूद जरूरी कानूनी बदलाव नहीं होने से डीपफेक जैसे संकट बढ़ रहे हैं।

इससे जुड़े 4 पहलुओं की समझ जरूरी है :

1. अनुमानों के अनुसार सोशल मीडिया में एक-तिहाई से ज्यादा खाते बेनामी, गलत और फर्जी तरीके से सक्रिय हैं। इनसे झूठ के साथ साइबर अपराधों का कारोबार रक्तबीज की तरह बढ़ रहा है। ऐसे फर्जी यूजर्स की सक्रियता से डिजिटल कंपनियों को बड़ा मुनाफा होता है, इसलिए वे उन पर ठोस कारवाई नहीं करतीं।
2. आम जनता से जुड़े साइबर अपराध के मामलों में पुलिस सामान्यतः एफआईआर नहीं करती। दबाव के बाद मामला दर्ज भी हो जाए तो शिकायतकर्ता को ही हैरान किया जाता है। लेकिन रश्मिका मंदाना के वीआईपी मामले में दिल्ली पुलिस ने स्वयं ही एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की है। जबकि प्रधानमंत्री मोदी के गरबा खेलते हुए फेक वीडियो से जुड़े अपराधियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की मीडिया में रिपोर्ट नहीं है। फिल्म जगत और पार्टियों के आईटी सेल द्वारा प्रायोजित झूठ के कारोबार को बढ़ाने वाले संगठित नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से चीजें बदतर हो रही हैं।
3. अधिकांश लोग सोशल मीडिया में अपनी फोटो और वीडियो शेयर करते हैं। डिजिटल कम्पनियां गैर-कानूनी तौर पर इस डाटा की चोरी कर रही हैं। इसके गैरकानूनी इस्तेमाल और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से डीपफेक फोटो, ऑडियो और वीडियो का निर्माण और सकुर्लेशन सम्भव हो रहा है। चाकू, कट्टा और बंदूक जैसे अनेक हथियार रखने के लिए कानून बने हुए हैं, लेकिन डीपफेक के लिए इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर और ऐप्स के नियमन की भारत में कोई व्यवस्था नहीं है।
4. डीपफेक का कारोबार डाटा के गैर-कानूनी इस्तेमाल पर आधारित है। गैर-व्यक्तिगत डाटा के कारोबार के खिलाफ तो भारत में कोई कानून ही नहीं बना। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के 7 साल बाद व्यक्तिगत डाटा के कारोबार को रोकने के लिए संसद से कानून बना । राष्ट्रपति की मंजूरी के बावजूद कानून और उससे जुड़े नियमों को अभी तक लागू नहीं किया गया है।

अष्टांहिका महापर्व के अंतर्गत सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजा का भव्य आयोजन

आर्यिका रत्न105 भरतेश्वरी माताजी ससंघ के सानिध्य में हो रहा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मर्यादा शिष्योत्तम आचार्य 108 श्री भरत सागरजी महाराज की शिष्या गणिनी आर्यिका रत्न105 भरतेश्वरी माताजी ससंघ के सानिध्य में 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान के चतुर्थ दिवस पर भव्य पूजा अर्चना हुई। एसएफएस दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे हैं। अष्टांहिका महापर्व के अंतर्गत सिद्धचक्र महा मंडल विधान पूजा में आज प्रातः काल शांति धारा माताजी के पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट मंडल के सौ धर्म इंद्र नरेंद्र निर्मला अनिल व अनुज समस्त कासलीवाल परिवार फागी वालों द्वारा किया गया। तत्पश्चात माताजी ने सिद्ध चक्र महामंडल

सांगानेर विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भजनलाल शर्मा ने आर्यिका श्री भारतेश्वरी माताजी से एस एफ एस जैन मंदिर में चल रहे सिद्ध चक्र विधान में उपस्थित होकर आशीर्वाद लिया।

विधान के चतुर्थ दिवस पर संबोधन करते हुए कहा कि भव्य जीव ऐसे विधानों का आयोजन करके देव, शास्त्र, गुरु की आराधना करता है वह जीव मुनि पद को धारण करके 64 रिद्धियो को प्राप्त करता हुआ एक दिन भगवान जरूर बनता है। माताजी के प्रवचन के पश्चात बनारस से आए हुए प्रतिष्ठाचार्य डॉक्टर कमलेश भैया द्वारा मंत्र उच्चारण द्वारा सिद्ध चक्र महामंडल विधान पर 64 अर्घ्य संगीतकार राजीव जैन अशोक नगर के द्वारा भक्ति भाव से चढ़ाए गए। इस अवसर पर इस अवसर पर पूजन के पश्चात वर्धमान दिगंबर जैन समिति समाज महिला मंडल एसएफएस एवं बगरू से आए हुए समाज के सभी भक्तों द्वारा गुरु मां की अष्ट द्रव्यों से भक्ति भाव से पूजा अर्चना कर पुण्य लाभ कमाया। गुरु मां ने मंडल की पूजा में बैठने वाले सभी श्रावकों को आशीर्वाद दिया। समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि सायंक'ल प्रतिदिन पुण्यर्जक परिवार द्वारा एसएफएस कॉलोनी के निवास स्थान से जुलूस के साथ आरती प्रारंभ होकर मंदिर में आकर भव्य आरती का आयोजन होता है । संघस्थ बाल ब्रह्मचारिणी अनुकंपा दीदी के द्वारा शास्त्र सभा और उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम चल रहे हैं।

जैन समाज कामां की आम बैठक संपन्न

पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में कराने का हुआ निर्णय

कामां. शाबाश इंडिया

कस्बे के शांतिनाथ दिगंबर जैन दिवान मंदिर कामां में जैन समाज के पूर्व संरक्षक सत्येंद्र प्रसाद जैन लहसरिया की अध्यक्षता में जैन समाज की आम मीटिंग का आयोजन किया गया,जिसमें समाज के सभी बुजुर्ग, एवं युवा साथियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और सर्वसम्मति से आचार्य सुनील सागर महाराज के सानिध्य में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कराने का निर्णय लिया गया। जैन समाज के अनुसार कामां में परम पूज्य चतुर्थ पट्टाचार्य आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में लगभग बासठ वर्ष पश्चात पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की भावना भाई जा रही है जिसे लेकर समाज में विशेष उत्साह देखा गया एवं समाज के सभी लोगों द्वारा तन

मन धन से सहयोग करने का संकल्प लिया। मीटिंग में सर्व प्रथम कामां में अवतरित प्रथम गणिनी आर्यिका श्री विजय मति माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर वीर चंद जी बड़जात्या दिल्ली, गजेंद्र जैन, अशोक जैन जयपुर, सुभाष जैन अध्यक्ष जैन समाज, उत्तम चन्द जैन,प्रवीन जैन,विकाश जैन, नवीन जैन सुभाष जैन,संजय जैन बड़जात्या,संजय सर्राफ भागचंद जैन, प्रदीप जैन, देवेंद्र जैन, गौरव जैन,मयंक जैन,भारत जैन,पदम चन्द, प्रेम जैन,अनिल लहसरिया, बाबूलाल जैन, शुभम, बिट्टू, चन्द्र कुमार, नीरज, राजू, दिनेश,पंकज जैन, आकाश, काकू, नरेंद्र जैन, ज्ञानचंद, जीनू सहित बड़ी संख्या में युवा और बुजुर्ग उपस्थित थे।

दुर्गापुरा जैन मंदिर में नंदीश्वर विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभ दुर्गापुरा में नंदीश्वर विधान का भव्य आयोजन हो रहा है। संयोजक एम एल मणि ने बताया कि कैलाश सौगानी ने नंदीश्वर विधान से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि नन्दीश्वर विधान विशेषतौर पर अष्टानिका पर्व में किया जाता है।अष्टानिका पर्व साल में तीन बार आता है-कार्तिक,फाल्गुन एवं अषाढ माह में । इन पर्व के दिनों के अलावा भी अन्य समय में इस विधान को विशुद्ध भावों से किया जा सकता है ।जो यह विधान करता है वह देवता बन साक्षात जाकर देवालय में पूजा विधान करता है । इस विधान को सुनने या करने से देवगति का बन्ध होता है ।नन्दीश्वर द्वीप ये अकृतिम चैत्यालय होते हैं ।नन्दीश्वर द्वीप में 52जिन चैत्यालय होते हैं,व एक दिशा में 13चैत्यालय होते हैं व चारों दिशाओं में 52 होते हैं ।इन 52 चैत्यालय के गर्भगृह में 108 जिनप्रतिमाऐं होती है जो रत्नजडित होती है। इस प्रकार इन नन्दीश्वर के चैत्यालयों में कुल 5616 प्रतिमायें होती है। ये प्रतिमाएं पद्मासन होती हैं। इन मंदिरों में केवल देव ही जा सकते हैं,मनुष्य नहीं। मनुष्य केवल मानसोत्तर पर्वत तक ही जा सकते हैं,उसके पार तो रिद्धिधारी मुनी महाराज भी नहीं जा सकते हैं। जबलपुर (पीसनहारी मढिया) व श्री सम्मेदशिखरजी में काफी प्राचीन नन्दीश्वर द्वीप रचनायें हैं,जंहा हजारों भव्यजीव दर्शनों व पूजापाठ को आते हैं। नन्दीश्वर द्वीप में 4 अर्जन गिरी ,16 दधिमुख व 32 रतिकर जिन मंदिर होते हैं । इन मंदिरों में देव पूजा करते हैं ,कुछ देव ढोल बजाते हैं व देवियां नाचती-गाती है। इसमें पूजन सामग्री देवगण कल्पवृक्षों से सूक्ष्म जीव रहित प्राप्त करते हैं। नन्दीश्वर द्वीप एक शाश्वत पर्व है। मध्यलोक अनेक द्वीप व महाद्वीप से मिलकर बना है,जिसमें नन्दीश्वरोद महासागर है जो 8 वें नम्बर का है,जम्बूदीप से । इसे नन्दीश्वर समुद्र ने घेर रखा है ।इन मंदिरों में नवदेवताओं मे से केवल जिन चैत्य व चैत्यालय ही होते हैं। यंहा रात्रि नहीं होती है ।यंहा 1000योजन वाले कमल होते हैं। नन्दीश्वर द्वीप का विस्तार एक सो तरेसठ चौरासी लाख योजन है। आज नन्दीश्वर द्वीप विधान के बारे में इन बातों को जानने के बाद आज की पूजायें शुरू हुई जिनको बडे भक्तिभाव से डां शान्ति जैन ''मणि'', श्रीमति प्रतिभा गोधा व श्रीमति मुन्ना सोगानी ने कराई। आज तक 20 पूजायें पूरी हो गई।

10 दिसम्बर 2023 को होगा पिच्छिका परिवर्तन समारोह

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला-टोंक (राज.) में ससंघ विराजित गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के मुखारविन्द से शांतिधारा करने का सौभाग्य बाबूलाल टोंक व धर्मचन्द ठग नैनवां वालों ने प्राप्त किया। साथ ही शांति प्रभु के चरणों में शांतिविधान का अवसर प्रेमचन्द सौगानी निवाई वालों ने प्राप्त किया। शांतिप्रभु के चरणों में बड़े भक्ति के साथ मंडल पर 120 अर्घ्य चढ़ाए गए। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए गुरु गुणगान करते हुए श्रद्धा का फल समझाते हुए कहा कि - जब तक हमारे दिल में प्रभु व गुरु के प्रति श्रद्धा नहीं होगी तो हमारे विघ्न दूर नहीं होंगे। यदि हमारी भक्ति में श्रद्धा नहीं है तो वह सच्ची भक्ति नहीं है वह बगुला भक्ति है । यदि श्रद्धा के साथ भक्ति की जाये तो अपने आप जीवन में चमत्कार घटित होंगे । हमारे सभी विपदाएँ पल में दूर होगी। माताजी ने मैना सुंदरी का उदाहरण देते हुए कहा कि - प्रभु की सच्ची भक्ति और श्रद्धा के बल पर मैना सुंदरी ने प्रभु के गंधोदक से श्रीपाल का कुष्ट रोग दूर हुआ था। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को होने वाले पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ में सम्मिलित होकर इस सुअवसर में साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें।

Dr. Rajendra Kumar Jain
& Urmila Jain

56th
HAPPY
MARRIAGE
ANNIVERSARY
24/11/2023

Happy Anniversary

BAPUNAGAR, JAIPUR

9829123527, 99282 82419

RAJEEV JAIN-SONAL JAIN
AMIT JAIN-SWATI JAIN
YASH, SANJANA, SHRIYA, RAJ

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बहुत से देश डर रहे हैं...

विजय गर्ग

सरकारों पर एआई का खौफ इस कदर तारी है कि इजराइल हमास युद्ध के धमाकों के बीच नवंबर के पहले सप्ताह 28 देशों के मुखिया, बड़े नेता और तकनीकी दिग्गज ब्रिटेन के ब्लेचली पार्क में आ जुटे भीतरी राजनीतिक उठापटक के बीच ब्रितानी प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बैठक की मेजबानी की। यहां अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर और एलोन मस्क भी थे। यह तो पता है कि सरकारें विज्ञान की इस नई खोज यानी दिमाग वाली मशीनों से बुरी तरह डरी हैं लेकिन इसे कानून में बांधने की कवायद इतनी तेजी से होगी, यह आश्चर्यजनक है। लंदन से करीब 70 किमी दूर मौजूद ब्लेचली पार्क बड़ी रोमांचक जगह है। जिस एआई को काबू करने की कोशिश में सरकारों के मुखिया पसीना छोड़ रहे हैं, उसकी जमीन इसी जगह बनी थी। कहते हैं हिटलर की हार एक गणितज्ञ की वजह से हुई थी, जिसका नाम था एलन ट्यूरिंग । इसी पार्क के कोडब्रेकिंग सेंटर में ट्यूरिंग ने नाजी संचार की ताकत यानी एनिग्मा कोड को तोड़ने की मशीन बनाई थी। इसके बाद तीन साल में हिटलर हार गया। यह ट्यूरिंग ही थे, जिन्होंने पहली बार एआई की राह दिखाई। 1950 में उनका शोध पत्र आया, जिसमें मशीनों की बुद्धिमत्ता तय करने के लिए ट्यूरिंग टेस्ट का आविष्कार शामिल था। इसी ब्लेचली पार्क में एक घोषणापत्र जारी हुआ, जिसका लब्बोलुआब था इससे पहले कि एआई हमें गुलाम बना ले, इसे अपने काबू में करना होगा! खौफ की वजह इस साल की शुरूआत में एआई वैज्ञानिकों ने सरकारों को एक खत लिखा था, जिसमें कहा था कि एआई बेहद खतरनाक है, इससे निजता और लोकतंत्र चौपट हो जाएंगे। समाज में झूठ फैलाने और मशीनों को भेदभाव के लिए तैयार किया जाएगा। रूस और यूक्रेन और इजराइल हमास युद्ध में एआई के इस्तेमाल से डर कई गुना बढ़ गया है। रूस और अरब दोनों ही युद्धों में निजी सेनाएं लड़ रही हैं रूस में वैगनर ने यूक्रेन पर धावा बोला तो इधर अरब में हमास, हिजबुल्ला और हूती हैं। इनके पास तकनीकें पहुंचते देर नहीं लगेगी।

शेयर करने की जद्दोजहद

बीते सौ वर्षों के इतिहास में किसी नई तकनीक को लेकर इतना खौफ कभी नहीं देखा गया। ब्लेचली पार्क की बैठक तक विश्व की तीन प्रमुख ताकतें कानून बनाने के निर्णायक कदम उठा चुकी थीं। विभाजित राजनीति के कारण अमेरिका में कानून नहीं बना, मगर राष्ट्रपति जो बाइडन इस कदर डरे हैं कि उन्होंने अक्टूबर में राष्ट्रपति के अधिकारों के तहत एक बड़ा ऑर्डर जारी कर दिया। इस आदेश के बाद अमेरिका में एआई के प्रत्येक कदम की पड़ताल के अब तक के सबसे व्यापक नियम बनेंगे। कंपनियों को अपने शोध की जानकारी देना होगी। इस ऑर्डर में निजता, सुरक्षा, फेक न्यूज सबके लिए नियम शामिल हैं। यूरोपीय समुदाय ने एआई पर शिकंजा कसने के लिए

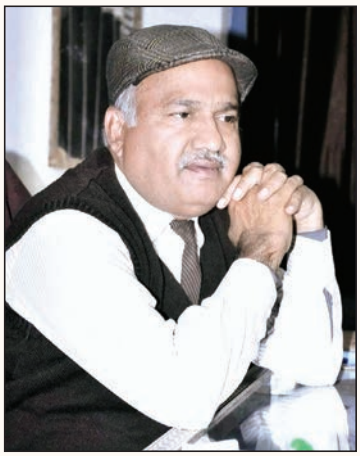

अप्रैल 2021 में काम शुरू किया था। ईयू एक व्यापक कानून बनाना चाहता है, जिसमें एआई के सभी पहलू समेटे जा सकें और एआई सिस्टम पर काम करने वालों की जिम्मेदारी तय की जा सके। अलबत्ता चीन ने एआई के व्यापक कानून नियम बनाकर एआई डेवलपमेंट और गवर्नेंस में अगुवाई कर ली है। 2017 में चीन ने एआई डेवलपमेंट प्लान के तहत 2030 तक एआई में बड़ी ताकत बनने का लक्ष्य तय किया है। 2021 में साइबरस्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने एल्गोरिदमिक रिकमंडेशन के नियम तय कर दिए, जो एआई सिस्टम का बुनियादी संचालन है। 2022 में डीप सिंथेसिस तकनीकों पर रेगुलेशन बन गए। 2023 में चैटजीपीटी या बार्ड जैसी जनरेटिव एआई प्रणालियों के लिए व्यापक नियम बना दिए गए हैं। कोई नहीं चाहता कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक का अगुआ चीन एआई गवर्नेंस के नियम तय करे, क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो फिर कंपनियां इन्हीं के तहत उत्पाद और सेवाएं बनाएंगी। यही वजह थी कि बाइडन को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी करना पड़ा। यूरोप और ब्रिटेन इस कदर हिल गए कि आनन-फानन में 28 देशों का सम्मेलन बुलाया गया। पर भारत में डीपफेक पर सियासी चिंताओं के अलावा कानून को लेकर सक्रियता नहीं दिखती।

इनसे हो पाएगा?

क्या दुनिया की सरकारें सच में एआई को नियंत्रित कर पाएंगी? दो बड़े सवाल हैं। पहला, अमेरिका ने इस बैठक से पहले जारी कार्यकारी आदेश में खासतौर पर अमेरिकी मूल्यों पर आधारित एआई की शर्त रखी थी। सहमति की कोशिशों के बीच ब्रिटेन और ईयू भी अपने अलग कानून बना रहे हैं। चीन अपने नियम-पैमाने पहले ही तय कर चुका है। एआई पर काम करने वाली कंपनियां बहुराष्ट्रीय हैं। 2026 तक एआई आधारित उत्पाद सेवाओं का बाजार 300 अरब डॉलर से ऊपर होगा। बकौल ब्लूमबर्ग, 2030 तक जनरेटिव एआई में 1.3 ट्रिलियन डॉलर का निवेश होगा। दुनिया का हर देश इस निवेश को अपने यहां चाहेगा, इसलिए सामूहिक अंतरराष्ट्रीय नियमन पर सहमति मुश्किल है। दूसरा, एआई की गहराई और विस्तार को करीब से जानने वाले बेधड़क कहते हैं कि बीते दो दशक में सूचना तकनीक कंपनियों पर कोई सख्त नियम नहीं लगाए गए, इसलिए उनके सर्वर प्रयोगशालाओं के भीतर क्या है यह किसी को पता नहीं है। यह कनेक्टेड दुनिया है, जिसमें बहुत-से सिस्टम अलग-अलग देशों में हैं, उनका नियमन होगा कैसे ? सरकारों के पास इन सिस्टम को समझने की क्षमता कहां है। एआई की मॉनिटरिंग के लिए वही लोग चाहिए जो उसे बना चला रहे हैं। खौफ भरपूर है और जद्दोजहद खासी पेचीदा है।

1950 में उनका शोध पत्र आया, जिसमें मशीनों की बुद्धिमत्ता तय करने के लिए ट्यूरिंग टेस्ट का आविष्कार शामिल था। इसी ब्लेचली पार्क में एक घोषणापत्र जारी हुआ, जिसका लब्बोलुआब था इससे पहले कि एआई हमें गुलाम बना ले, इसे अपने काबू में करना होगा!

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल
शैक्षिक स्तंभकार मलोट

जनकपुरी जैन मंदिर में 25 नवंबर को होगा पिच्छि परिवर्तन समारोह

पिच्छि परिवर्तन समारोह के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योति नगर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति माताजी की शिष्या बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी का शनिवार को भव्य पिच्छि परिवर्तन समारोह का आयोजन होगा तथा इसी दिन वर्षा योग मंगल कलशों का वितरण भी किया जाएगा। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार समारोह के आयोजन के पोस्टर को गुरुवार को सर्व प्रथम मूल नायक भगवान नेमिनाथ के समक्ष समर्पित कर विमोचन आर्यिका श्री के सानिध्य में किया गया। माताजी ने सभी को इस दिन मतदान अवश्य करने के लिए कहा। मन्दिरजी में प्रातः कलश वितरण का कार्य तथा मध्याह्न पिच्छि परिवर्तन समारोह होगा जिसमें मधुबन, प्रताप नगर, महेश नगर, चित्र कूट, चौमूं बाग, झोटवाड़ा आदि स्थानीय समाज के अलावा नैनवा, चौथ का बरवाडा, टोडा, मिठड़ी, जोबनेर आदि स्थानों के भक्त जन सहभागिता करेंगे।

सांगानेर न्यायालय में मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मतदाता करने की दिलाई शपथ, पक्षकारों व आमजन को मतदान करने की शपथ दिलाई

जयपुर. शाबाश इंडिया। दी बार एसोसिएशन सांगानेर की ओर से राजस्थान विधानसभा के आगामी 25 नवंबर को होने वाले चुनाव में मतदाता जागरूकता के लिए गुरुवार को न्यायालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। बार अध्यक्ष महावीर सुरेंद्र जैन एवं महासचिव नेमीचंद सामरिया ने बताया कि अधिवक्ताओ ने न्यायालय परिसर में पक्षकारों व आमजन को मतदान का महत्व बताते हुए लोकतंत्र की मजबूती के लिए शत प्रतिशत मतदान करने अपील करते हुए शपथ दिलाई। कार्यक्रम में लोगों को बताया गया कि लोकतंत्र में सबकी भागीदारी के लिए मतदान में भाग लेना जरूरी है। इसीलिए हमें अन्य लोगो को भी प्रेरित करना चाहिए। लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए सांगानेर बार एसोसियेसन ने सांगानेर क्षेत्र में मतदाता को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया है। अभियान में पूर्व अध्यक्ष हुकुमचंद पारीक, सुरेंद्र ढाका, विजय मामनानी, हंसराज भहरवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता रामजीलाल चौधरी, अश्वनी मिश्रा, पूर्व महासचिव जेपी शर्मा, वीरेंद्र गुर्जर, राजेश शर्मा पंवालिया, लक्ष्मीनारायण चौधरी, टीकमचंद शर्मा, विनोद डोवटया सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्लोगन लिखी पोस्टर भी लोगों को वित्तरित किये गये। एवं रंगोली भी सजाई गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य श्री 108
निर्मल सागर जी महाराज

परम पूज्य गणिनी
आ. श्री 105 विशुद्धमति माताजी

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर

वात्सल्य आमंत्रण

जनकपुरी - ज्योति नगर, इमली फाटक, जयपुर

वात्सल्य आमंत्रण

परम पू. बा. ब्र. सम्यक ज्ञान शिरोमणी, भारत गौरव, सर्वाधिक दीक्षा प्रदात्री
गणिनी आर्यिका श्री 105 विशुद्ध मति माताजी की सुयोग्य शिष्या
बालयोगिनी आर्यिका
श्री 105 विशेषमति माताजी का

वर्षायोग मंगल कलश वितरण
एवम्
पिच्छिका परिवर्तन समारोह

शनिवार – दिनांक 25 नवम्बर 2023

परम पूज्य आर्यिका श्री 105
विशेषमति माता जी

ब्र. प्रेम दीदी ब्र. सविता दीदी

–:कार्यक्रम:–

प्रात: 7.15 बजे से	:	वर्षायोग मंगल कलश वितरण
प्रात: 10.15 बजे से	:	आहार चर्या, सामायिक
मध्यान्ह 1.15 बजे से	:	पिच्छिका परिवर्तन समारोह

–:आयोजक:–

प्रबन्ध समिति – श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी, ज्योति नगर, जयपुर
महिला मंडल – जैन युवा मंच

निवेदक – सकल दिगम्बर जैन समाज, जनकपुरी – ज्योति नगर, जयपुर
सम्पर्क :– 9314024888, 9829548868, 9829813831

पण्डित रतनचंद भारिल्ल के जन्मदिन सहजता दिवस पर अनेक विद्वान पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया

बड़े दादा के नाम से विख्यात जैनदर्शन के सुप्रसिद्ध विद्वान अध्यात्मरत्नाकर पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल के 91 वें जन्मदिवस के अवसर पर उनके उपकारों के स्मरण स्वरूप 'सहजता दिवस' का अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम उत्साह पूर्वक मनाया गया। यह समारोह दिनांक 21 नवम्बर, 2023 को ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन के पावन प्रांगण में दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। प्रातः कालीन प्रथम सत्र टोडरमल महाविद्यालय के प्राचार्य डा.शांतिकुमार पाटिल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस सत्र में अथाई समन्वय समूह के वरिष्ठ साहित्यकारों द्वारा पं.रतनचंद जी भारिल्ल की महत्वपूर्ण कृतियों की समीक्षा की गई। समीक्षा करने वालों में श्रीमती प्रभा जैन-इन्दौर, डा.भगवान सहाय मीना,रीतेश शर्मा प्रमुख थे। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार संपत 'सरल', जयपुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली दूरदर्शन के पूर्व अपर महानिदेशक कृष्ण कल्पित की गरिमामय उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशीलकुमार गोदीका, ट्रस्टी डॉ. शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल, प्राचार्य डॉ. शांतिकुमार पाटील , वरिष्ठ पत्रकार डा.अखिल बंसल, पण्डित पीयूष शास्त्री, पूर्व जनसंपर्क अधिकारी कन्हैयालाल भ्रमर आदि अनेक महानुभाव उपस्थित थे। ट्रस्ट के महामंत्री परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने अपने वक्तव्य के माध्यम से बड़े दादा का विशेष परिचय प्रदान किया। समारोह में मुख्यरूप से पण्डित रतनचंद भारिल्ल चैरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर के तत्त्वावधान में समाज के उदीयमान पांच व्यक्तित्वों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा पण्डित रतनचंद भारिल्ल पुरस्कार-2023 से सम्मानित किया गया एवं पुरस्कार स्वरूप शाल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र के साथ नगद राशि भी प्रदान की गई। पुरस्कृत पत्रकार महावीर टाइम्स (मा.) एवं दैनिक बिजनेस दर्पण इन्दौर के संपादक हेमन्त जैन व साहित्य सृजन हेतु पण्डित सचिन्द्र शास्त्री, मंगलायतन- अलीगढ को; अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ द्वारा तथा जिनशासन के प्रचार-प्रसार में महत्त्वपूर्ण योगदान हेतु पण्डित आशीष शास्त्री, टीकमगढ़ को सर्वोदय अहिंसा द्वारा पुरस्कृत किया गया। टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय द्वारा अध्ययनकाल के दौरान पाठ्य व पाठ्योत्तर गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेने हेतु पण्डित मानस शास्त्री, बांसवाड़ा एवं पण्डित मयंक शास्त्री, फुटेरा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यात्मवेत्ता डॉ. संजीवकुमार गोधा, जयपुर का वीतरागी जिनशासन की प्रभावना में किए गए अकथनीय योगदानों का स्मरण करने हुए मरणोपरान्त सम्मानित किया गया। इस प्रसंग पर देश के विभिन्न स्थानों से पधारे साहित्यकारों, पत्रकारों व महाविद्यालय के पूर्व छात्र पण्डित अनेकान्त भारिल्ल शास्त्री व पण्डित संयम शास्त्री ने अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों की ओर से मानस जैन, बाँसवाड़ा; आर्जव माद्रप; आयुष जैन, दिल्ली; स्वयं जैन, खनियांधाना ने वक्तव्य व काव्य पाठ प्रस्तुत किया। एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसका विषय दादा के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित 'सुखी जीवन का रहस्य : सहजता' था, जिसमें भी अनेकों साधर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डा.अखिल बंसल ने अथाई समन्वय समूह के साहित्यकारों द्वारा की गई साहित्य समीक्षा का विवरण प्रस्तुत करते हुए पण्डित रतनचंद जी भारिल्ल के साहित्यिक अवदान का उल्लेख किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कृष्ण कल्पित ने कहा कि - सहजता शब्द जितना सहज लगता है उतना सरल नहीं है, जिस सहजता, सरलता को हम नगण्य समझते हैं, उन्हें हासिल करना कोई आसान काम नहीं है यह अपने आप में बेहद अनोखी होती हैं, लाजवाब होती हैं। हमारा जीवन ही नहीं संपूर्ण प्रकृति भी सहजता के साथ ही संचालित होती है। प्रकृति भी जब असहज होती है तब तूफान आते हैं आपदाएं आती हैं। उन्होंने कहा मैं इस प्रांगण के बाहर से कई बार निकला हूं आज यहां आकर मेरा हृदय अत्यंत प्रसन्न हो रहा है, यहां जो ज्ञान का केंद्र संचालित हो रहा है वह वास्तव में सराहनीय है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रसिद्ध व्यंग्यकार संपत सरल ने कहा कि मैं यहां आकर अत्यंत सहज हो गया। आज मैं असहज नहीं हूं, उसके दो कारण हैं क्योंकि यह सभा दिए गए समय के अनुसार चल रही है और यहां बोलने वाले वक्ताओं की भाषा बहुत प्रांजल है। जब मुझे अच्छी भाषा बोलते नहीं मिलती कोई कर्कश बोलता है तब मैं असहज होता हूं और यह जो समय है वह हर क्षण असहज करने वाला है। आत्मप्रचार आत्ममुक्त और जब से मोबाइल आया है, कैमरा आया है तब से तो यह दुनियां पागल है। आज सहज होने का सबसे बढ़िया तरीका है मन वचन कर्म से एक रहो। सहज होने का सबसे बढ़िया तरीका है असहज होने से बचो। यह सहजता मात्र ज्ञान से ही आ सकती है तथा प्रत्येक समय ज्ञान के अर्जन में ही व्यतीत करना चाहिए। जिसके पास ज्ञान है वह आपका आदर्श होना चाहिए महापुरुष आपके आदर्श होना चाहिए। पहले जहाँ महापुरुष हुआ करते थे आज वहाँ सेलिब्रिटी होने लगे हैं। समस्त कार्यक्रम डॉ. शुद्धात्मप्रकाश भारिल्ल व पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल के निर्देशन में सम्पन्न हुए। प्रथम सत्र का संचालन पण्डित अखिल शास्त्री व द्वितीय सत्र का संचालन पण्डित जिनकुमार शास्त्री ने किया।

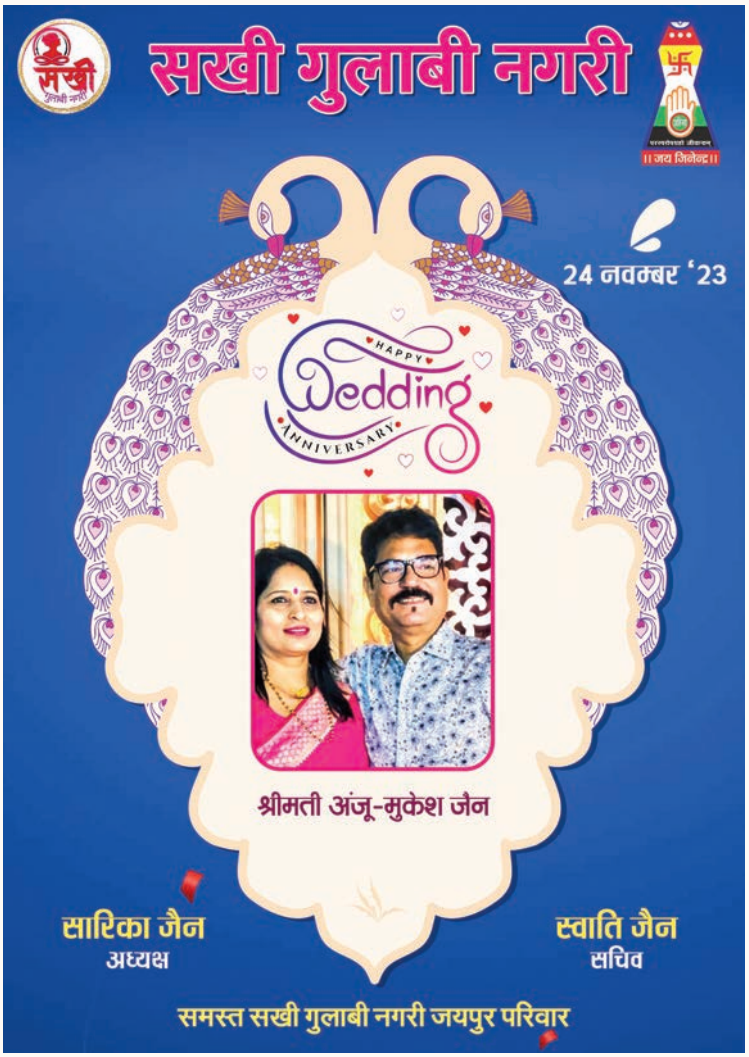

जैन युवा मंडल का मासिक भक्तामर पाठ 26नवंबर को

जयपुर. शाबाश इंडिया

मासिक णमोकार पाठ एवम भक्तामर जाप अनुष्ठान 26 नवंबर को होगा। राधा निकुंज कॉलोनी में जैन युवा मंडल राधा निकुंज की ओर से इस माह का णमोकार पाठ व भक्तामर जाप रवि रांवका के निवास स्थान मकान नंबर 5 राधानिकुंज उ, में 26 नवंबर 2023, रविवार, रात्रि 8:00 बजे से रखा गया हैं। भगवान महावीर की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

कालीचरण सर्राफ ने टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर में किया जनसंपर्क

जैन समाज के प्रबुद्ध लोगों से किया संवाद

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर विधान सभा से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार कालीचरण सर्राफ ने टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर में जनसंपर्क किया। आयोजक सुरेंद्र बज ने बताया कि इस अवसर पर जैन समाज के गणमान्य सदस्यो के साथ साथ उप महापौर पुनीत कर्णावट, क्षेत्रीय पार्षद जितेंद्र श्रीमाली, पूर्व पार्षद संजीव शर्मा, टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील गोदिका, महामंत्री परमात्म प्रकाश भारिल्ल, मोटीवेशनल स्पीकर एस पी भारिल्ल, संगीत नाट्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांड्या आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इन्द्र इन्द्राणियो ने महामण्डल अनुष्ठान के मण्डप पर 248 श्री फल से अर्ध्य समर्पित किए

सिद्ध चक्र महामण्डल विधान में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज एवं क्षुल्लक अकम्प सागर महाराज के सानिध्य में जैन बिचला मंदिर पर आठ दिवसीय संगीतमय सिद्ध चक्र महामण्डल विधान में श्रद्धालुओं ने 248 श्री फल अर्ध्य चढ़ाकर सिद्ध चक्र महामण्डल अनुष्ठान की रचना की। विधान की शुरूआत सोधर्म इन्द्र मूलचंद त्रिलोक चंद पांडया धनपति कुबेर अरुण कुमार अर्पित कुमार लटुरिया यज्ञनायक महावीर प्रसाद छाबड़ा हेमचंद संधी एवं धर्म चंद चंवरिया ने दीप प्रज्वलित कर पूजा शुरू करवाई। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि इन्द्र इन्द्राणियो ने अष्टान्हिका महापर्व अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने श्री जी की शांतिधारा एवं अभिषेक करके सिद्ध चक्र एवं नन्दीश्वर दीप की रचना करके संगीत के साथ पूजा अर्चना की। विधान में प्रतिष्ठाचार्य अशोक जैन धानी जबलपुर के मंत्रोच्चार द्वारा श्रद्धालुओं ने विधान मण्डप पर 108 ऊं ह्रीं असि आउसा नमः के जाप किए। इस दौरान भावना एण्ड पार्टी जबलपुर ने भजनों की प्रस्तुतियां दी जिसमें पंखिडा तू उड़ ना जाना निवाई नगर में, ''रंगमा रंगमा रंगमा रे प्रभु थारा ही रंग में रंग गयो रे'', आदि अनेक मधुर भजनों पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किए। इस दौरान जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म का चोला पहनने से कोई धर्मात्मा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि भारत अपनी आध्यात्मिक संस्कृति के लिए विश्व में अग्रणी रहा है। यहां की मां अपने पुत्रों में वीरत्व के संसार शरीर भोगों की वीरक्तता के संस्कार डालती थी। तब वह सन्तान भी देव धर्म गुरु और माता पिता तथा देश व समाज की सेवा में अपने प्राण समर्पित कर देती थी। उन्होंने कहा कि संस्कारित जीवन से आत्मा परमात्मा भी बन जाता है। संस्कारों की सर्वत्र उपयोगिता है। इसी प्रकार वीतरागता से अनन्त गुणों से संस्कारित होने पर पतित आत्मा की पुनीत बन जाती है। इस अवसर पर महेंद्र संधी सूरजमल सोगानी नवरत्न टोंग्या विमल सोगानी पदमचंद जैन सुरेश ईटावा सुरेन्द्र टोंग्या राजेश सांवलिया दिनेश संधी पुनित संधी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

विधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए एवं विधान में भावना एण्ड पार्टी जबलपुर भजनों की प्रस्तुतियां देती हुई

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन कागजी ने समर्थकों के साथ झोंकी ताकत

जयपुर. शाबाश इंडिया। किशनपोल विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी अमीन कागजी ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सघन जनसंपर्क कर मतदाताओं से आशीर्वाद मांगा। सुबह कागजी ने परकोटा गणेश मंदिर चांदपोल से अपने जनसंपर्क की शुरूआत की, यहां पंडित अमित शर्मा के नेतृत्व में कागजी को फलो से तौला गया। इसके बाद वार्ड 73–74 में जनसंपर्क किया गया। वार्ड 57 में यज्ञशाला की बावड़ी से चांदपोल हनुमान मंदिर तक पैदल रोड शो किया। इस दौरान हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे। जाट के कूएं का रास्ता में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कागजी ने कहा कि अब मतदान में कुछ घंटे बचे हैं, ऐसे में सभी को मिलकर आमजन को कांग्रेस के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करना है ताकि सरकार की योजनाएं यथावथ रह सकें। साथ ही कांग्रेस सरकार की ओर से हाल ही में जारी जनघोषणा पत्र में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। ऐसे में युवा–महिला–बुजुर्ग सभी को एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनानी पड़ेगी। कागजी ने जनसभा के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि चुनाव प्रचार में जिस तरीके का समर्थन उन्हें मिला है, उससे साफ है कि उनकी जीत निश्चित है।

राष्ट्रवादी जैन संगठन की सभा का हुआ आयोजन

सभा में उपस्थित सभी ने दिया भाजपा को पूर्ण समर्थन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रवादी जैन संगठन के तत्वावधान में भट्टारकजी की नसियां के इंद्रलोक सभागार में विशाल कार्यक्रम का आयोजन हुआ। समारोह में जयपुर के करीब 35 से ज्यादा संगठनों ने हिस्सा लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रमुख हेमंत सेठिया समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी संस्थाओं ने भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण समर्थन देते हुए विधानसभा चुनाव और आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने का निर्णय किया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख हेमन्त सेठिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थितजनों से कहा कि हमें जैन धर्म के साथ राष्ट्र धर्म से भी प्रेम करना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रवादी चिंतन से श्रोताओं मे राष्ट्रभक्ति की भावना भरी। उन्होंने गिरनार तीर्थ के संबंध मे चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस संबंध मे पूर्णतः अवगत है एवं जैनों से किसी भी प्रकार अन्याय होने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि स्वयं देश के गृहमंत्री अमित शाह इस प्रकरण को देख रहे हैं। इस सम्बंध मे उपस्थित श्रोताओं के सभी प्रश्नों का उत्तर देकर उन्होंने सभी को संतुष्ट किया। इसी भावना के कारण जैन समाज ने राष्ट्रहित में भाजपा को पूर्ण समर्थन दिया है। सेठिया के इस विचार का उपस्थितजनों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया और भाजपा के पक्ष में मतदान करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर ज्योति कोठारी ने कहा की भाजपा ने जयपुर मे जैन समाज को विधानसभा चुनाव मे एक भी टिकट नही दिया, भविष्य मे इस विषय पर ध्यान दिया जाए। इस मौके पर किशन पोल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी चंद्र मनोहर बटवाडा, महिला महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डोड्या, श्री महासमिति के प्रदेश अध्यक्ष निर्मल जैन सोगानी, संगीत नाट्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांड्या, जयपुर नगर निगम ग्रेटर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट, नगर निगम चेयरमैन पारस जैन, अरुण कोडिवाल , राजेश छाबड़ा, सुधीर जैन लाली, राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, समाज श्रेष्ठी मटरू जैन कीर्ती नगर, विमल रांका, जयपुर तपगच्छ संघ के मंत्री प्रवीण नाहटा, स्थानक वासी संघ के सह मंत्री सुरेश कोठारी, जवाहर नगर संघ के मंत्री नितिन दुगड, खरतर गच्छ संघ के पूर्व मंत्री ज्योति कोठारी, गुड मॉर्निंग अखबार के मुख्य संपादक सुरेंद्र जैन, दर्शन जैन, विनोद छाबड़ा मोनू, सुधीर गंगवाल, दीपक गोधा और महेंद्र आंचलिया सहित जैन समाज के संगठनों के पदाधिकारी सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। उपस्थित गणमान्य जनों एवं पदाधिकारियों ने भी सभा को संबोधित किया।